Dr. Sushila Nayar: At present, we have absolutely no report and no information that there was adulteration of rice and other foodstuffs, as the hon. Member has stated.

(ii) WATER SCARCITY AT DELHI STATION AND FEROZESHAH KOTLA, DELHI

श्री बागड़ी (हिसार) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम १९७ के अन्तर्गत स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान निम्न अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करता हूं और चाहता हूं कि वह इस सम्बन्ध में अपना वक्तव्य दें :—

"दिल्ली स्टेशन तथा कोटला फ़िरोज़-शाह में पानी की सख्त किल्लत"।

Dr. Sushila Nayar: The railway departments in Delhi have been drawing filtered water supply from the Corporation.....

श्री बागड़ी : स्पीकर साहब, ...

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य चाहते हैं कि हिन्दी में जवाब दिया जाये ।

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, रेलवे अधिकारीगण पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए पिछले कुछ सालों से दिल्ली कार्पोरेशन के मेन नलों में से पानी ले रहे हैं उन के पास एक बड़ा छः इंच डायमीटर का वाटर कनक्शन है और कई छोटे छोटे कनक्शन भी हैं । ९ जुन, १९६२ को कार्पोरेशन को यह शिकायत हुई कि उन नलों में पानी का प्रेशर कम है । वाटर इमरजेंसी स्टाफ़ ने उसी वक्त जा कर इस को दुरुस्त कर दिया और उस के बाद कोई कठिनाई नहीं रही ।

दूसरा सवाल विक्रमनगर कालोनी का है, जो रीहैबिलिटेशन मिनिस्ट्री की एक कालोनी है और फिरोज़शाह कोटला ग्राउंड्ज़ के नज़दीक स्थित है वहां पर २५०० लोग रहते हैं और मिनिस्ट्री ने वहां पर कोई छः पब्लिक हाइड्रेन्ट्स लगाये हुए हैं। ये हाइड्रेन्ट्स एक दो इंच की मेन से लिये गये हैं वह मेन, जो कि वहां पानी लाती है, झंडेवाला रेज़रवायर डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम के बिलकुल आखिरी सिरे पर, टेल एन्ड पर, है और इस लिए वहां का प्रेशर कुछ कम हो जाता है । मिनिस्ट्री आफ़ रीहैबिलिटेशन ने वहां पर सिर्फ़ अस्थायी रूप से पानी का इन्तज़ाम किया था, क्योंकि उन का इरादा वहां पर बैठे हुए कुटुम्बों को आखिर में किसी और जगह हटा देने का था । उन्होंने वहां पर पानी का कोई पक्का इन्तज़ाम नहीं किया हुआ है ।

श्री बागड़ी : मैं अर्ज़ करना चाहता हूं कि दिल्ली के जिन इलाकों में पानी की किल्लत है, वह सिर्फ़ आज नहीं, बल्कि हर साल होती है । उस बिना पर राजकुमारी अमृतकौर के जमाने में गन्दा पानी पीने की वजह से हज़ारों आदमी मौत के घाट उतर गये थे । क्या मिनिस्टर साहबा यह बता सकेंगी कि चूंकि दिल्ली इस देश का सदर-मुकाम है, इस लिए क्या केन्द्रीय सरकार के सामने यहां की पानी की समस्या को मुस्तकिल तौर पर हल करने के लिए कोई स्कीम है ? इस के अलावा पानी की आरज़ी किल्लत को दूर करने के लिए क्या यह तजवीज़ उन के ज़ेरे-ग़ौर है कि राष्ट्रपति और मिनिस्टरों का पानी भी कुछ कम किया जाये ?

डा० सुशीला नायर: : श्रीमन्, माननीय सदस्य ने राजकुमारी अमृतकौर के मंत्री पद के काल में जो हज़ारों लोगों के बीमार होने का ज़िक्र किया है, वह तो सही नहीं है । हज़ारों आदमियों का तो कोई सवाल नहीं था ।

एक माननीय सदस्य : उन्होंने तो हज़ारों आदमियों के मरने की बात कही है ।

डा० सुशीला नायर : वह सही नहीं, जहां तक पानी की किल्लत का सवाल है, इस सदन में कई बार सवालों के जवाब में मैं ने अर्ज़ किया है कि इस बारे में क्या क्या प्रबन्ध किये जा रहे हैं, ताकि पानी की किल्लत

[डा० सुशीला नायर]

को दूर किया जा सके। इस के लिए बहुत सी योजनायें बन रही हैं और इस वक्त अगर कहीं से भी कोई रिपोर्ट मिलती है, तो वहां पर तुरन्त पानी का इन्तज़ाम किया जाता है। हम इस वक्त यहां पर, दिल्ली नगर निगम, ३७ गेलन्ज़ पर-हैड के हिसाब से पानी पहुंचा रहे हैं, जब कि दूसरे शहरों में २०, २५ गेलन से ज्यादा पानी नहीं मिलता है। दिल्ली में पानी के सम्बन्ध में और जगहों से ज्यादा अच्छी हालत है।

श्री बागड़ी : क्या इस बारे में केन्द्रीय सरकार की तरफ से कोई स्कीम बनाई जा रही है ?

अध्यक्ष महोदय : मैं ने माननीय सदस्य को अवसर दे दिया और उन्होंने सवाल भी कर लिया। अब उन को चाहिये कि वह आराम से बैठें।

श्री बागड़ी : माननीय मंत्री ने तो कार्पोरेशन के बारे में कहा है। मैं तो यह जानना चाहता था कि क्या केन्द्रीय सरकार इस बारे में बाकायदा तौर पर कोई ऐसी स्कीम तैयार कर रही है, जिस से यह पानी की किल्लत दूर हो जाये। दूसरा सवाल यह था कि क्या पानी की आरज़ी किल्लत को दूर करने के लिए मिनिस्टरों का पानी कम किया जायगा।

अध्यक्ष महोदय : दूसरे सवाल का जवाब देने की जरूरत नहीं है और पहले सवाल का जवाब दे दिया गया है।

12.27 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

CORRESPONDENCE BETWEEN INDIA AND CHINA

The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): Sir, on behalf of Shri Jawaharlal Nehru, I beg to lay on the Table a copy each of the following papers:—

(1) Government of India's protest dated 10th May, 1962 regarding Sino-Pakistan border negotiations;

(2) Chinese protest dated 30th April, 1962 alleging fresh Indian intrusions;

(3) India's reply dated 14th May, 1962;

(4) Chinese protest dated 20th March, 1962, alleging fresh intrusions by Indian personnel;

(5) India's reply dated 21st May, 1962;

(6) Chinese protest dated 11th May, 1962, alleging intrusions by Indian personnel in Spanggur region;

(7) India's reply dated 21st May, 1962, and counter protest against a new Chinese post in the Spanggur region;

(8) Chinese note dated 26th April, 1962, alleging Indian intrusions in Ari region of China;

(9) India's reply dated 26th May, 1962;

(10) Chinese protest dated 19th May, 1962 alleging Indian intrusions in Longju area;

(11) India's reply dated 28th May, 1962;

(12) Chinese note dated 20th November, 1961, regarding trijunction of borders of India, China and Burma and the Sino-Burmese Boundary Treaty;

(13) India's reply dated 31st May, 1962;

(14) Chinese note dated 21st April, 1962, alleging Indian intrusions;

(15) India's reply dated 6th June, 1962;